पाठ - 8
जन्नत और उसकी नेमतें

الدرس الثامن - هندي
الجنة و نعيمها

जन्नत हमेशा रहने और मान–सम्मान की जगह है। अल्लाह तआला ने उसे अपने नेक बन्दों के लिए तैयार किया है। उसमें ऐसी नेमतें हैं जिन्हें न आंखों ने देखा है, न कानों ने सुना है और न ही किसी इंसान के दिल में उनका ख़्याल ही आया है। अल्लाह तआला फ़रमाता है: ﴿فَلَا تَعْلَمُ نَفْسٌ مَا أُخْفِيَ لَهُمْ مِنْ قُرَّةِ أَعْيُنٍ جَزَاءً بِمَا كَانُوا يَعْمَلُونَ﴾

यानी, ''कोई नफ़्स नहीं जानता जो हमने उनकी आँखों की ठंडक उनके लिए छुपा कर रख छोड़ी है। जो कुछ करते थे, यह उसका बदला है। (सूरह अल सजदा आयत 17)

जन्नत के विभिन्न दर्जे और मरतबे हैं। उसमें मोमिनों के ठिकाने उनके आमाल के अनुसार होंगे। अल्लाह तआला फ़रमाता है: يَرْفَعِ اللهُ الَّذِينَ آمَنُوا مِنْكُمْ وَالَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ دَرَجَاتٍ

यानी, ''अल्लाह तआला तुम में से उन लोगों को जो ईमान लाये हैं, और जो इल्म दिये हैं, दर्जे बुलन्द कर देगा। (सूरह अल मुजादिला आयत 11)

जन्नती लोग जन्नत में जो चाहेंगे खायेंगे, पीएंगे, उनमें पानी की नहरें हैं जो पुरानी होने की वजह से बदबूदार नहीं होती हैं। और दूध की नहरें हैं जिनका मज़ा नहीं बदलता है। साफ़ शफ़्फ़ाफ़ शहद की नहरें होंगी और शराब की भी नहरें होंगी जिससे पीने वालों को सुरूर हासिल होगा। अलबत्ता उनकी शराब दुनियावी शराब जैसी नहीं होगी। अल्लाह तआला फ़रमाता है:﴿يُطَافُ عَلَيْهِمْ بِكَأْسٍ مِنْ مَعِينٍ ۞ بَيْضَاءَ لَذَّةٍ لِلشَّارِبِينَ ۞ لَا فِيهَا غَوْلٌ وَلَا هُمْ عَنْهَا يُنْزَفُونَ﴾

यानी, ''जारी शराब के जाम का उन पर दौर चल रहा होगा, जो साफ शफ़्फ़ाफ़ और पीने में मज़ेदार होगा। न उससे सिर में दर्द होगा न उसके पीने से बहकेंगे। (सूरह अस साफ़्फ़ात आयत 45–47)

जन्नती जन्नत में हूरे ईन से शादी करेंगे। रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया है: وَلَوْ أَنَّ امْرَأَةً مِنْ أَهْلِ الجَنَّةِ اطَّلَعَتْ إِلَى أَهْلِ الأَرْضِ لَأَضَاءَتْ مَا بَيْنَهُمَا، وَلَمَلَأَتْهُ رِيحًا، وَلَنَصِيفُهَا عَلَى رَأْسِهَا خَيْرٌ مِنَ الدُّنْيَا وَمَا فِيهَا

''यदि जन्नत की कोई महिला ज़मीन वालों की ओर झांक ले, तो आसमान और ज़मीन के बीच खाली जगहों को रौशन कर दे और उसे खुशबू से भर दे। (सही बुख़ारी 2796)

जन्नतियों के लिए सबसे बड़ी नेमत अल्लाह का दीदार होगा। जन्नतियों को पेशाब–पाखाना की ज़रूरत नहीं होगी। वे न खेखारेंगे, न थूकेंगे। उनकी कंघिया सोने की होंगी और उनका पसीना मुश्क होगा। उन्हें मिलने वाली नेमतें स्थायी होंगी, कभी समाप्त नहीं होंगी और न ही कम होंगी अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमाया: مَنْ يَدْخُلُ الْجَنَّةَ يَنْعَمُ لَا يَبْأَسُ، لَا تَبْلَى ثِيَابُهُ وَلَا يَفْنَى شَبَابُهُ

जन्नत में जो कोई दाख़िल होगा, वह ऐश करेगा, मुहताजी से दो–चार नहीं होगा, न उसके कपड़े पुराने होंगे और न उसकी जवानी खत्म होगी। (सही मुस्लिम 2836)

सबसे कमतर जन्नती, ईमान वालों में से जो सबसे बाद में जहन्नम से निकलेगा और जन्नत में दाख़िल होगा,उसके हिस्से में आने वाली नेमतें पूरी दुनिया की नेमतों से दस गुना ज़्यादा बेहतर होंगी।